

Obsah

| | |
|--|----|
| <i>Pražský Hameln</i> | 3 |
| <i>Syn Mariin</i> | 6 |
| <i>Učiň mne silným na cestě</i> | 8 |
| <i>Cikánský pastýř</i> | 10 |
| <i>Keř víry</i> | 14 |
| <i>Cikánská láska a láska židů</i> | 16 |
| <i>Moudrost u Davida bydlí</i> | 22 |
| <i>Svatá Alice</i> | 30 |
| <i>Cikánka</i> | 34 |
| <i>Nad Čínou opět slunce svítí</i> | 38 |
| <i>Záhadný návštěvník</i> | 49 |
| <i>Voják, který se smál Kristu</i> | 63 |

| | |
|---|-----|
| <i>Dlouhovlasý</i> | 80 |
| <i>Na kraji zahrady</i> | 97 |
| <i>Polární zář</i> | 103 |
| <i>Ti, kdo žijí pro lásku, se nevracejí</i> | 117 |
| <i>Tak to je Ježíš, náš král</i> | 131 |
| <i>Jana Arská</i> | 143 |
| <i>Na shledanou</i> | 155 |
| <i>Madelin Vasiljevová</i> | 165 |
| <i>Setkání s Petrem</i> | 174 |
| <i>Vesnice</i> | 183 |
| <i>Davidova hvězda</i> | 188 |
| <i>V mlhách lásky</i> | 202 |
| <i>„Simone, prosil jsem za tebe!“</i> | 216 |
| <i>Sen nadpozemský</i> | 230 |

| | |
|--|------------|
| <i>Po vodách chodil jsem s Kristem</i> | <i>234</i> |
| <i>Stracenci</i> | <i>242</i> |
| <i>Za branou času</i> | <i>249</i> |
| <i>Poselství</i> | <i>257</i> |
| <i>V zahradě klášterní</i> | <i>262</i> |
| <i>Vídy hledá ztracené</i> | <i>270</i> |
| <i>Něčkaný host</i> | <i>276</i> |
| <i>Rozhovor</i> | <i>284</i> |
| <i>Pampeliška</i> | <i>293</i> |
| <i>Zvláštní setkání</i> | <i>297</i> |
| <i>Holubice ticha</i> | <i>309</i> |
| <i>Ponik</i> | <i>312</i> |
| <i>Růže syrská</i> | <i>318</i> |
| <i>Paš mé beránky</i> | <i>322</i> |